Dictation 14.

Rama has an errand to run.

लीला - रमा, तू आँगन में क्यों बैठी है?
रमा - माँ, आज मौसम बहुत ही अच्छा है। इसलिए बाहर बैठी हूँ।
लीला - बेटा, मौसम का कोई भरोसा नहीं। और तुझे ज़ुकाम भी तो है। ख़ैर, थोड़ी देर बाद बाज़ार जाना। घर में सैकड़ों बटन हैं, लेकिन एक भी तेरी नई कमीज़ से मैच नहीं करता।
रमा - पैदल ही जाती हूँ।
लीला - ठीक है। और सुन, हमारे फलवाले के पीछे वह चौथी दुकान है न? वहाँ मेरे कुछ पैसे बाक़ी हैं।
रमा - माँ! चाची जी और आप में कोई फ़र्क नहीं है। आपलोग क्यों हर जगह पैसे छोड़ती हैं?
लीला - अरे बेटा, आजकल हम वहीं से साबुन वग़ैरह ख़रीदते हैं। उस दुकान से हमारे यहाँ हर महीने दर्जनों चीज़ें आती हैं।
रमा - मुझे समझ नहीं आ रहा है कि आप क्या कहना चाहती हैं। ठीक है, मैं अभी जाती हूँ। क्या घर के लिए कुछ और चाहिए?
लीला - वही तो कह रही हूँ बेटा। उन पैसों से अपने लिए शैम्पू और एक बड़ा टूथपेस्ट ले आना।
रमा – ठीक है माँ।

***

Leela - Rama, why are you sitting in the courtyard?
Rama - Mother, the weather is very good today. That is why I am sitting outside.
Leela - Child, the weather cannot be trusted. And you have a cold as well. Anyway, go to the bazaar after some time. There are hundreds of buttons at home, but not one of them matches your new long shirt.
Rama - I will simply walk [to the bazaar].
Leela - All right. And listen, you know the fourth shop behind our fruit-seller? I have left some money over there.
Rama - Mother! There is no difference between auntie and yourself. Why do you leave [your] money [behind] everywhere?
Leela - Oh child, these days we buy soap and so on from that very shop. Dozens of things arrive every month at our place from that shop.
Rama - I don't understand what you want to say. All right; I will go right now. Do [we] need anything else for the house?
Leela - That is exactly what I am saying, child. Also get a shampoo for yourself and a large toothpaste with that money.
Rama - All right, mother.